E learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
B A PART 1st ECONOMICS HONS
PAPER 1st

Conclusion with criticisms of Malthusian THEORY OF Population

11. माल्थस का सिद्धान्त निराशावादी है - माल्थस का सिद्धान्त निराशावादी है क्योंकि उन्होंने मनुष्य के सामने बढ़ती हुई जनसंख्या का एक बहुत ही डरावना चित्र प्रस्तुत किया है। यदि माल्थस के अनुसार मनुष्य इतना निराशावादी हो गया होता तो आज विभिन्न देशों में इतनी आर्थिक प्रगति नहीं हुई रहती।

12. मनुष्य केवल एक मुँह नहीं वरन् दो हाथों के साथ भी जन्म लेता है - प्रो० केनन (Cannan) ने माल्थस के निराशावादी दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा है कि मनुष्य इस संसार में केवल एक मुँह और पेट लेकर जन्म नहीं लेता बल्कि दो हाथों को साथ लेकर भी आता है। इसका तात्पर्य यह है कि मनुष्य उपभोक्ता होने के साथ-साथ अपनी आवश्यकता पूर्ति के लिए कुछ न कुछ उत्पादन अवश्य करता है। अतः इतना निराशावादी होने की आवश्यकता नहीं है।

13. - यौन सम्बन्ध तथा जन्मदर में सदा आनुपातिक सम्बन्ध नहीं होता — माल्थस ने बताया है कि मनुष्य में संतान उत्पन्न करने की

असीम शक्ति होती है लेकिन यौन सम्बन्ध तथा जन्मदर में सदा आनुपातिक सम्बन्ध नहीं होता विभिन्न प्रकार के गर्भ निरोधक उपायों को अपना कर जन्मदर (Birth Rate) में कमी लायी जा सकती है। अतः आज यौन-सम्बन्ध तथा जन्मदर के आनुपातिक सम्बन्ध व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है।

14. जनसंख्या की समस्या केवल मात्रा की ही नहीं वरन् कुशल उत्पादन एवं समुचित वितरण की भी है।— यदि जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही हो और साथ उत्पादन का तरीका अच्छा हो जिससे अधिक भी होता है तो बढ़ती हुई जनसंख्या से घबराने की आवश्यकता नहीं होगी। अतः प्रो० सेलिगमैन (Prof Seligman) ने ठीक ही कहा है — जनसंख्या की समस्या केवल आकार की ही समस्या नहीं, वरन् कुशल उत्पादन तथा न्यायोचित वितरण का भी है।

निष्कर्ष - माल्थस के सिद्धान्त के विरुद्ध दी गयी उपयुक्त आलोचनाओं के बावजूद यह कहा जा सकता है कि माल्थस का यह कथन सर्वदा सत्य है कि यदि मनुष्य बढ़ती हुई जनसंख्या को कृत्रिम उपायों से न रोके तो प्राकृतिक रोक स्वतः लागू हो जाते हैं। विभिन्न विकसित देशों को छोड़ कर भारत जैसे अनेक देशों माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त आज भी लागू होता है। विभिन्न आलोचनाओं के बावजूद यह सिद्धान्त की सत्यता आज भी कायम है अतः वाकर (Walker) ने ठीक ही कहा है- इतने कटु वादविवाद के बाद भी माल्थस का सिद्धान्त अडिग तथा अक्षय खड़ा है।